S-268

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-604

नाटक एवं नाटिका भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. मृच्छकटिकम् में वर्णित तत्कालीन समाज की सामाजिक दशा एवं राजनीतिक अवस्था पर प्रकाश डालिए।

2. विदूषक और चारुदत्त के संवाद की विशेषता का निरूपण कीजिए।

3. मृच्छकटिकम् की नायिका वसन्तसेना का विस्तारपूर्वक का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ प्रसंग छन्द सहित व्याख्या कीजिए :

दारिद्रयाद्ध्रियमेति ह्रपरिगतः प्रभ्रश्यते तेजसो,
निस्तेजाः परिभूयते परिभवान् निर्वेदमापद्यते।
निर्विण्णः शुचिमेति शोकपिहितो बुद्धया परित्यज्यते,
निर्बुद्धिः क्षयमेत्यहो निधनता सर्वा पदा मास्पदं।।

5. मृच्छकटिकम् के समस्त अंकों का वर्णन विस्तार से कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. शर्विलक की चोर विद्या का वर्णन कीजिए।

2. शूद्रक की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए।

3. मृच्छकटिकम् के प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. नाट्य साहित्य के उद्भव सम्बन्धी दोनों मतों पर प्रकाश डालिए।

5. भास के प्रमुख नाटकों का वर्णन कीजिए।

6. मृच्छकटिकम् के जुआ में हारे हुए पात्र का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

यासां बलिः सपदिमद् गृहदेहलीनाः,
हंसैश्च सारसगणेश्च विलुप्तपूर्वः।
तास्वैव संप्रति विरूढतृणांकरासु,
बीजाऽन्जलिः पतति कीटमुखावलीढः।।

8. मृच्छकटिकम् में वर्णित बोद्ध भिक्षु के कथनों का वर्णन कीजिए।